विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित अनुसंधान पत्रिका 'सारस्वती सुषमा' का मुख्य पृष्ठ

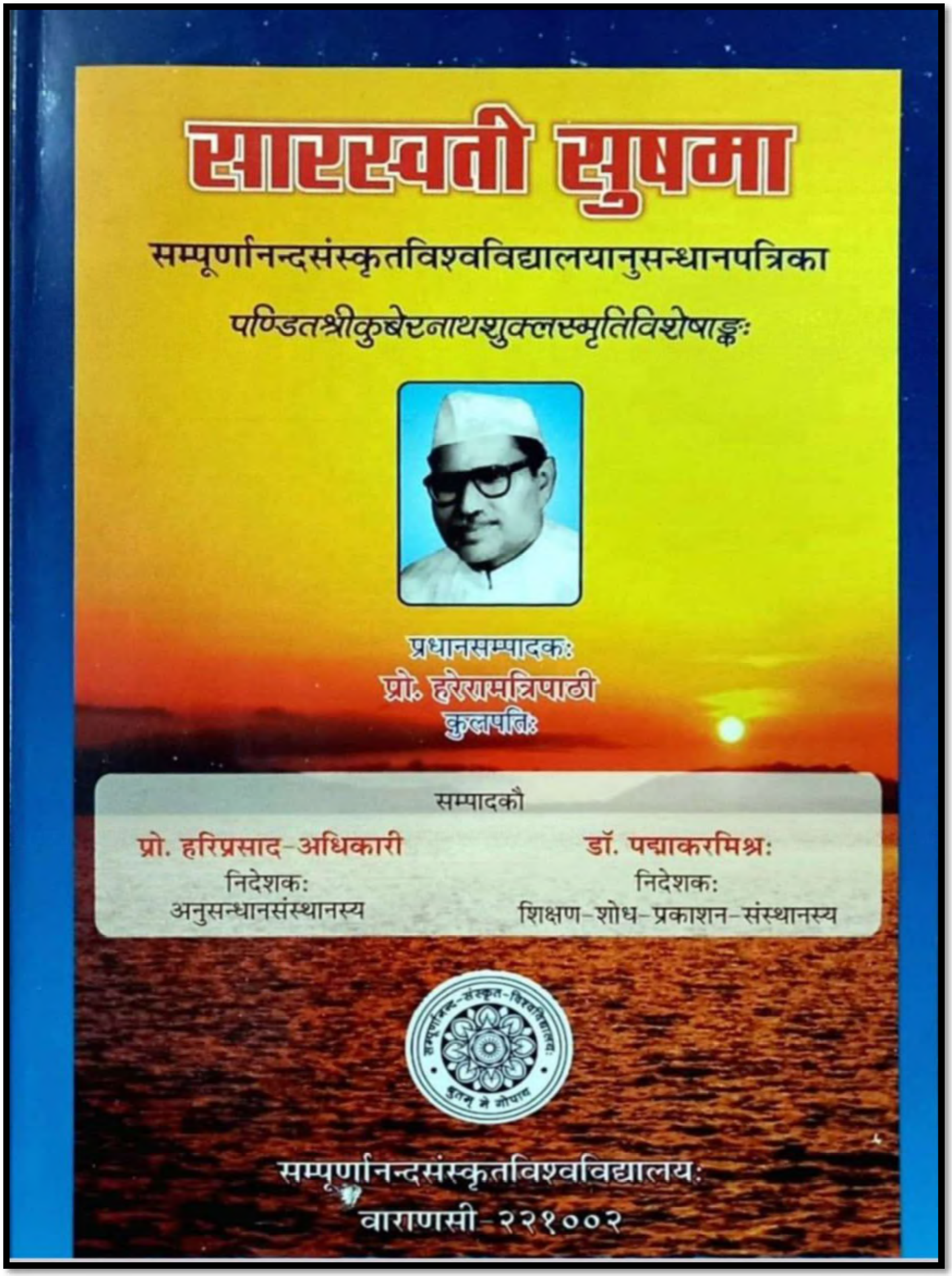

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित प्रसिद्ध अनुसंधान पत्रिका 'सारस्वती सुषमा' का विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में अध्ययन करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के संस्कृत संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो० ओमनाथ विमली जी। दिनांक ०८.१२.२०२३

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग में उद्घटित 'ज्योतिष एवं वास्तु परामर्श केन्द्र' में बाह्य आगन्तुक का परामर्श सहित कुण्डली अवलोकन करते हुए आचार्य। दिनांक १६.०१..२०२४

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय के 'ज्योतिष एवं वास्तु परामर्श केन्द्र' में विश्वविद्यालय के छात्रों को ज्योतिष विषयक परामर्श एवं कुण्डली अवलोकन का प्रशिक्षण देते हुए आचार्य।

पी-एच.डी. के दौरान क्रियमाण कोर्सवर्क कक्षा में शोधछात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करती हुई विश्वविद्यालय की अध्यापिका। दिनांक १०.०१.२०२४

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय के छात्र एवं छात्राओं को कम्प्यूटर का प्रशिक्षण देते हुए बाह्य कम्प्यूटर विशेषज्ञ।
दिनांक १८.०१.२०२४

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

पी-एच.डी. के दौरान क्रियमाण कोर्सवर्क कक्षा में शोधछात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय के आचार्य। दिनांक २६.११.२०२३

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

धर्मशास्त्र विभाग में मनुष्य के जन्म प्रभृति मरण पर्यन्त सोलह संस्कारों के विषय में अध्यापन करते हुए आचार्य एवं उपस्थित छात्र

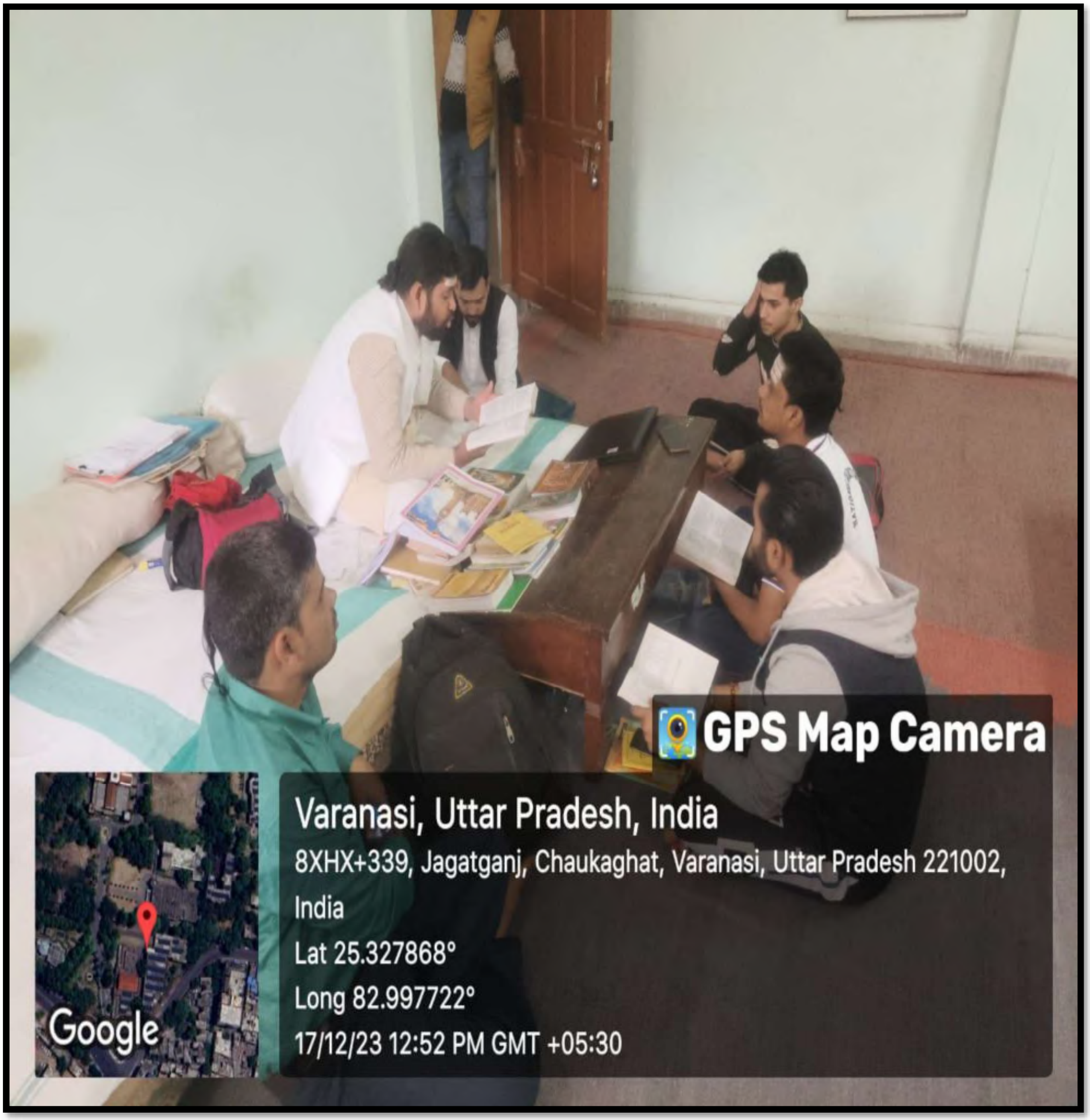

सांस्कृतिक पर्यटन के अन्तर्गत वाराणसी स्थित कर्दमेश्वर महादेव मंदिर में भ्रमणार्थ गये हुए विश्वविद्यालय के छात्र एवं छात्राएं दिनांक ११.०१.२०२३

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

सांस्कृतिक पर्यटन के अन्तर्गत रामेश्वर तीर्थधाम, रामेश्वर में तीर्थयात्रा के दौरान आयोजित शास्त्रार्थ सभा में पुरस्कृत विश्वविद्यालय के विजेता छात्र एवं आचार्य । २०२०।

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

रामेश्वर तीर्थधाम यात्रा की समाचार प्रति

युवा जागरण

डा. उमेश बिड़ला बी व डा. सत्यप्रकाश एलबीएस हास्टल के संरक्षक

शिष्यों को तीर्थयात्रा करा रहे, संस्कार पगा रहे

अजय कृष्ण श्रीवास्तव • वाराणसी

- संस्कृत विवि के असिस्टेंट प्रोफेसर प्रतिवर्ष शिष्यों को कराते हैं तीर्थ यात्रा
- नाम ही नहीं, काम भी ब्रह्मचारी, वेतन का एक बड़ा भाग शिष्यों को समर्पित
- प्राच्य विद्या से जोड़ने के लिए विद्यार्थियों को बांट रहे मुफ्त ज्ञान

देश-दुनिया में गुरु-शिष्य परंपरा के लिए भी काशी जानी जाती है। इसे आज के दौर में भी दोनों ही ओर से निभाया जा रहा है। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के व्याकरण विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डा. दिव्य चेतन ब्रह्मचारी गुरु होने का दायित्व निभा रहे। वह शिष्यों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ, मुफ्त तीर्थ यात्रा कराते हैं ताकि विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति का संस्कार बना रहे।

छात्र जीवन में डा. ब्रह्मचारी ने अनेक तीर्थयात्राएं की। नौकरी में आने के बाद भी उनकी तीर्थयात्रा जारी है। हालांकि अब वह अकेले नहीं बल्कि हर साल अपने शिष्यों के साथ तीर्थयात्रा पर जाते हैं। 2015 में उन्होंने 32 शिष्यों को जगन्नाथपुरी, वर्ष 2016 में 35 छात्रों को रामेश्वर धाम की तीर्थ यात्रा अपने वेतन से कराई। 2018 में वह हवाई जहाज से 28 विद्यार्थियों द्वारिका लेकर गए थे। खास यह कि तीर्थयात्रा के दौरान शिष्यों के रहने-खाने की व्यवस्था स्वयं करते हैं।

वेतन शिष्यों को समर्पित : करपात्री महाराज के मठ में रहने वाले डा. ब्रह्मचारी ने शादी नहीं की है। वह वेतन का एक बड़ा हिस्सा शिष्यों पर ही खर्च कर देते हैं। सुबह-शाम मठ में विद्यार्थियों को मुफ्त में ज्ञान भी बांट रहे हैं।

पाणिनी पुरस्कार से सम्मानित : उप्र संस्कृत संस्थान ने अगस्त 2021 को डा. दिव्य चेतन ब्रह्मचारी को पाणिनी पुरस्कार से सम्मानित किया था।

रामेश्वर यात्रा के दौरान शिष्यों के साथ संस्कृत विश्वविद्यालय के व्याकरण विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डा. दिव्य चेतन ब्रह्मचारी • फाइल फोटो

> वास्तविक ज्ञान ग्रंथों के अध्ययन के साथ-साथ प्रकृति से भी जोड़ना जरूरी है। प्रकृति से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। हमारी ज्ञान परंपरा अक्षुण्ण रहे, इसलिए विद्यार्थियों को तीर्थयात्राएं कराता हूं। कोरोना महामारी के कारण दो वर्षों से तीर्थयात्रा पर नहीं जा पाए हैं। इस वर्ष शिष्यों को बद्रिकाश्रम की तीर्थयात्रा कराने की तैयारी है।
>
> -डा. दिव्य चेतन ब्रह्मचारी, असिस्टेंट प्रोफेसर

बचपन से ही संस्कृति व संस्कृत से लगाव

भारतीय संस्कृति व संस्कृत के प्रति डा. ब्रह्मचारी का लगाव बचपन से ही रहा है। कानपुर से पूर्व मध्यमा करने के बाद वह उत्तर मध्यमा करने काशी आ गए। उत्तर मध्यमा, शास्त्री, आचार्य, पीएचडी व डीलिट की उपाधि उन्होंने संस्कृत विश्वविद्यालय से हासिल की। पीएचडी करने के बाद विश्वविद्यालय में ही अतिथि प्राध्यापक पद पर नियुक्त हो गए। वर्ष 2019 में उनकी नियुक्ति असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर हो गई।

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय में स्थित सांस्कृतिक पुरातत्व संग्रहालय में भ्रमणार्थ आयी हुई गोपी राधा बालिका इण्टर कालेज की छात्राएं पुरातत्व वस्तुओं के विषय में जानकारी प्राप्त करती हुई

विश्वविद्यालय में स्थित वेद विभाग में भ्रमण एवं प्राचीन यज्ञ उपकरणों की जानकारी प्राप्त करती हुई गोपी राधा बालिका इण्टर कालेज की छात्राएं ।

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय भ्रमण के पश्चात् अभिभूत हुई गोपी राधा बालिका इण्टर कालेज की प्रधानाचार्या द्वारा विश्वविद्यालय की प्रशंसा एवं धन्यवाद ज्ञापन ।

गोपी राधा बालिका इण्टर कालेज

लेन नं. 17, रवींद्रपुरी, वाराणसी–221005

सेवा में

दिनांक 09.02.2024

N.C. 394/2024
12/2/2024

आदरणीय प्रो. बिहारी लाल शर्मा जी,
माननीय कुलपति
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,
जगतगंज, वाराणसी।

विषयः- विद्यालय की छात्राओं का सकुशल शैक्षणिक भ्रमण कराने हेतु धन्यवाद ज्ञापन

महोदय,

दिनांक 08 फरवरी 2024 (माघ मास कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी, 2080) को हमारे विद्यालय की छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण आपके पवित्र परिसर में संपन्न हुआ। आपकी सहृदयता और स्नेह का परिणाम यह रहा कि हमारी छात्राएं एवं अध्यापक / अध्यापिकाएं वहां के भ्रमण से अभिभूत हैं। विद्यालय के दल का स्वागत विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसरों द्वारा किया जाना निश्चित ही हमारे लिए सौभाग्य की बात है। सभी अध्यापक/अध्यापिकाओं को जलपान एवं छात्राओं को सस्नेह चॉकलेट इत्यादि दिया जाना संस्कृत भाषा और संस्कार की महान अभिव्यक्ति है। ऐसा स्वागत पाकर हमारा विद्यालय भाव विह्वल और भावुक है।

बच्चों को वेधशाला, संग्रहालय, कौशल केंद्र, वेद विभाग, वाग्देवी मंदिर, मुख्य भवन इत्यादि स्थान दिखाने एवं समझाने के लिए वरिष्ठ प्रोफेसर गुरुदेव लोगों का सानिध्य बना रहा। ऐसा संस्कारित वातावरण पाकर हमारे विद्यालय के बच्चों और अध्यापकों में ऊर्जा का संचार हो रहा है। आदरणीय कुलपति जी, आपको इस सहृदयता के लिए कोटि कोटि धन्यवाद है। इसके साथ ही प्रार्थना है कि आपको और आपके विश्वविद्यालय का सानिध्य तथा संस्कृत का आशीर्वाद हमारे विद्यालय को हमेशा मिलता रहेगा। आपको एक बार पुनः पूरे विद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक धन्यवाद। प्रणाम॥

भवदीय

प्रधानाचार्या
गोपी राधा बालिका इण्टर का
रवीन्द्रपुरी, वाराणसी

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष आयोज्यमान संस्कृत सप्ताह समारोह के अन्तर्गत संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन-२६.०८.२०२३ - ०३.०६.२०२३

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष आयोज्यमान संस्कृत सप्ताह समारोह के अन्तर्गत संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन -२६.०८.२०२३ - ०३.०६.२०२३

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष आयोज्यमान संस्कृत सप्ताह समारोह के अन्तर्गत संस्कृत सम्भाषण शिविर के आयोजन की समाचार प्रति। दिनांक ०६.०२.२०२०

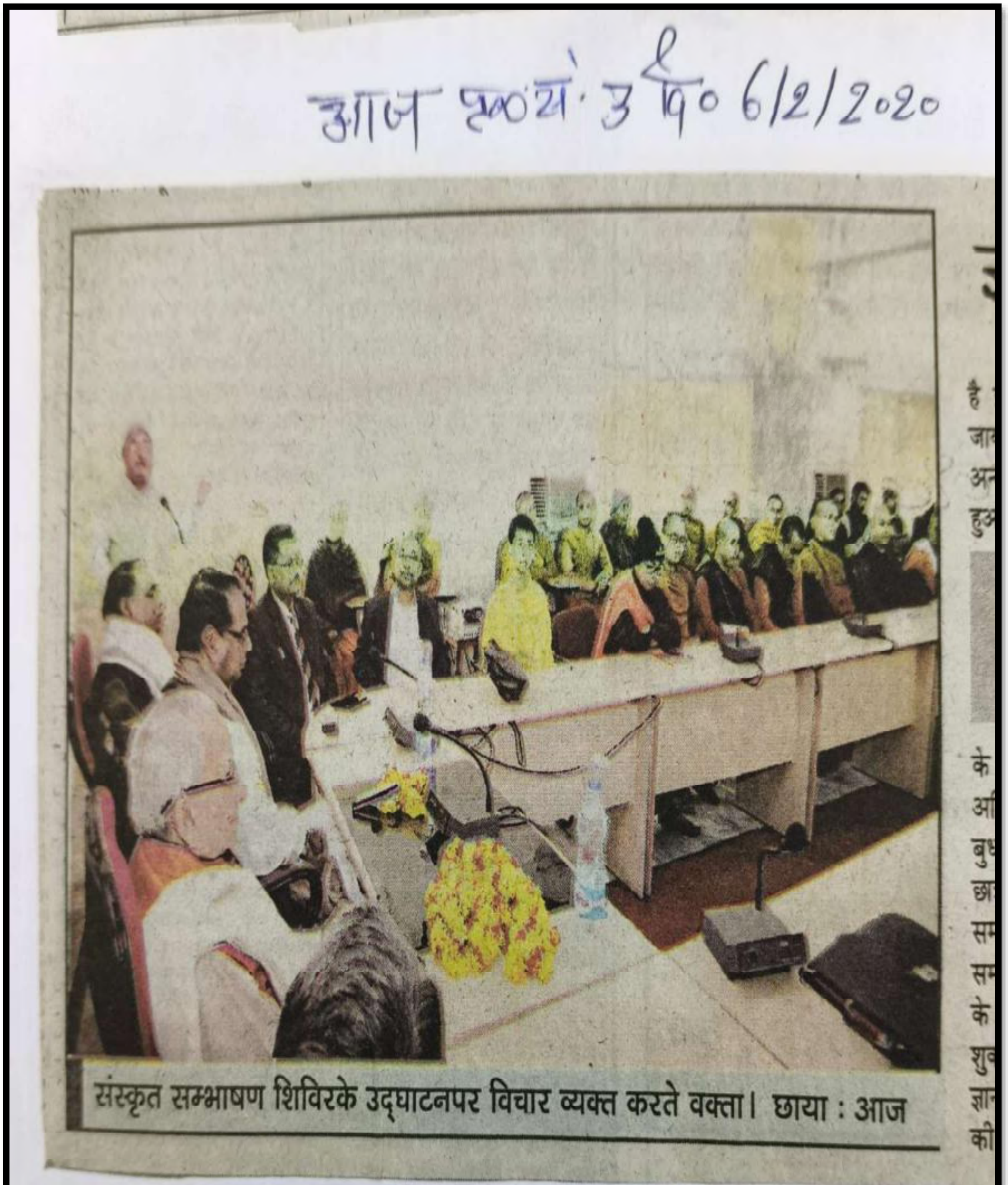
आज पृ०सं० ३ दि० 6/2/2020

संस्कृत सम्भाषण शिविरके उद्‌घाटनपर विचार व्यक्त करते वक्ता। छाया : आज

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

तुलनात्मक धर्मदर्शन विभाग में तुलनात्मक दर्शन का अध्यापन करते हुए आचार्य एवं उपस्थित छात्र तथा छात्राएं

दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र में पाठ्यान्तर्गत सौन्दर्यशास्त्र, गृहसाजसज्जा विषयक अध्यापन करती हुई विश्वविद्यालय की अध्यापिका एवं उपस्थित छात्र

विश्वविद्यालय परिसर स्थित वाग्देवी मंदिर में योगासनों का अभ्यास कराते हुए विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक एवं योगाभ्यास करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य एवं बाह्य प्रशिक्षु। दिनांक १२.०६.२०२३

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय परिसर स्थित वाग्देवी मंदिर में योगासनों का अभ्यास करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य एवं बाह्य प्रशिक्षु। दिनांक १२.०६.२०२३

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित निःशुल्क त्रैमासिक योग प्रशिक्षण शिविर में योगासनों का अभ्यास कराते हुए विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक एवं योगाभ्यास करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य एवं बाह्य प्रशिक्षु

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित निःशुल्क त्रैमासिक योग प्रशिक्षण शिविर में योगासनों का अभ्यास करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य एवं बाह्य प्रशिक्षु। दिनांक २६.०३.२०२३

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित निःशुल्क त्रैमासिक योग प्रशिक्षण शिविर में योगासनों का अभ्यास करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य एवं बाह्य प्रशिक्षु।

दिनांक २६.०३.२०२३

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित निःशुल्क त्रैमासिक योग प्रशिक्षण शिविर में योगासनों का अभ्यास करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य एवं बाह्य प्रशिक्षु। दिनांक २६.०३.२०२३

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

NRLC, लखनऊ में पाण्डुलिपि संरक्षण का प्रशिक्षण प्राप्त करती हुई पुरातत्व एवं संग्रहालय विज्ञान स्नातकोत्तर डिप्लोमा की छात्राएं। दिनांक ०४.०४.२०२४

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

NRLC, लखनऊ में पाण्डुलिपि संरक्षण का प्रशिक्षण प्राप्त करती हुई पुरातत्व एवं संग्रहालय विज्ञान स्नातकोत्तर डिप्लोमा की छात्राएं। ०४.०४.२०२४

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

NRLC, लखनऊ में पाण्डुलिपि संरक्षण का प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए पुरातत्व एवं संग्रहालय विज्ञान स्नातकोत्तर डिप्लोमा के छात्र। दिनांक ०४.०४.२०२४

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

NRLC, लखनऊ में पाण्डुलिपि संरक्षण का प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए पुरातत्व एवं संग्रहालय विज्ञान स्नातकोत्तर डिप्लोमा के छात्र। दिनांक ०४.०४.२०२४

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

संस्कृतसंवर्धनप्रतिष्ठान द्वारा विश्वविद्यालय के सरस्वतीभवन पुस्तकालय में आयोजित पाण्डुलिपि संरक्षण प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित माननीय कुलपति जी, वेदवेदांग संकायाध्यक्ष एवं प्रशिक्षु छात्र एवं छात्राएं। दिनांक ०२.०६.२०२१

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पाण्डुलिपि सूचीकरण एवं संरक्षण कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी छात्रा को प्रमाणपत्र देते हुए माननीय कुलपति जी एवं राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन के निदेशक डॉ० अनिर्बाण दास - १८.०३.२०२४ - ०१.०४.२०२४

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पाण्डुलिपि सूचीकरण एवं संरक्षण कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी छात्र को प्रमाणपत्र देते हुए माननीय कुलपति जी एवं राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन के निदेशक डॉ० अनिर्बाण दास - १८.०३.२०२४ - ०१.०४.२०२४

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पाण्डुलिपि सूचीकरण एवं संरक्षण कार्यशाला की समाचार प्रति। दिनांक ०२.०४.२०२४

वाराणसी/चंदौली

96 हजार दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण हेतु द्वितीय कार्यशाला के समापन में प्रशिक्षणार्थियो को कुलपति ने दिया प्रमाणपत्र

भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण से वैश्विक स्तर पर लाभान्वित होंगे: कुलपति प्रो बिहारी लाल शर्मा

"भूकम्प लक्षण, पक्षी शास्त्र एवं 64 कलाओं के पांडुलिपियों के लिप्यांतरण (ट्रांसलेशन)कर सम्पादन कर प्रकाशित किया जाएगा: निदेशक डॉ. अनिर्बाण दाश

वाराणसी पूर्वांचल राज्य संवाददाता अभिषेक दुबे। भारतीय ज्ञान परंपरा का संरक्षण एवं प्रसार जनोपयोगी बने तभी दुर्लभ पांडुलिपियों में संरक्षित ज्ञान का महत्व होगा ऋषि तुल्य आचार्यों के ज्ञान राशि के भंडार प्रयोग आमजन को प्राप्त हो इसी प्रयास का परिणाम आज राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, नई दिल्ली के द्वारा किया जा रहा है जिसके लिए इंदिरा गांधी कला केंद्र के अंतर्गत राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के निदेशक डॉ॰अनिर्बाण दाश के निर्देशन में बनायी गयी टीम के द्वारा पुनः द्वितीय 15 दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई जिनके द्वारा पांडुलिपियों का संरक्षण किया जायेगा इससे इस कार्य में गतिशीलता बढ़ेगी।

उक्त विचार सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति प्रो बिहारी लाल शर्मा के द्वारा योगसाधना केंद्र में इस विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के संयुक्त तत्वावधान में पाण्डुलिपि संरक्षण कार्य को तीव्र गति से सम्पन्न करने हेतु आयोजित द्वितीय कार्यशाला के समापन के अवसर पर बतौर अध्यक्षीय उद्बोधन में व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के द्वारा संपादित होगा--

कुलपति प्रो बिहारी लाल शर्मा ने कहा कि सरस्वती भवन पुस्तकालय में संरक्षित दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए देश के यशस्वी प्रधानमन्त्री जी, भारत सरकार की संस्कृति मंत्रालय एवं महामहिम कुलाधिपति, मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र, अपर मुख्य सचिव डॉ सुधीर कुमार बोबड़े के अथक प्रयास से इस कार्य को मूर्त रूप दिया जा रहा है इसके लिए इंदिरा गांधी कला केंद्र,नई दिल्ली के राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के द्वारा संपादित किया जा रहा है।

पांडुलिपि का अनुरक्षण- संवर्धन निष्ठा और ईमानदारी से किया जाए--

अनुरक्षण कार्य को प्रशिक्षित कर्मियों के साथ निष्ठा- ईमानदारी से किये जावें क्योंकि पांडुलिपि केवल विश्वविद्यालय की ही संपदा नहीं है बल्कि राष्ट्र की संपदा है इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही न हो, समुचित प्रशिक्षण के लाभ उठाए जाएं।कार्य की शुचिता और उत्कृष्टता का ध्यान रखा जाये।

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय के सरस्वती भवन पुस्तकालय में उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल राम नाईक जी । दिनांक ११.०१.२०१६

राज्यपाल ने देखी स्वर्णाक्षरों में लिखीं पांडुलिपियां

संस्कृत विश्वविद्यालय

- सरस्वती भवन में राम नाईक ने गुजारा आधा घंटा
- कहा, वह फिर कभी इस संग्रह का जरूर देखेंगे

परिसर में भी सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय के सरस्वती भवन पुस्तकालय में उत्तराखण्ड के उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्री धनसिंह रावत जी। दिनांक ३१.१२.२०२०

अमर उजाला 31-12-2020 (वि)

दुर्लभ पांडुलिपियों को देख हुए भावविभोर

संस्कृत विश्वविद्यालय पहुंचे धनसिंह रावत

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। उत्तराखंड के उच्च शिक्षा राज्यमंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि काशी में स्थित संस्कृत विश्वविद्यालय का परिसर देवभूमि है। यहां से संस्कृत-संस्कृति और संस्कार के संगम की धारा प्रवाहित होकर संपूर्ण विश्व को अपने आलोक से आलोकित करता है।

वह बुधवार को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के दृकसिद्ध पंचांग के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। ज्योतिष विभाग द्वारा संचालित श्रीमद् बापू देव शास्त्री दृकसिद्ध पंचांग संवत 2078 का लोकार्पण किया गया। राज्यमंत्री ने कहा कि आज मेरे जीवन का यह प्रहर सार्थक हो रहा है। 145 सालों से प्रकाशित पंचांग देश की वैदिक दृष्टि की राह प्रशस्त करेगा। वेधशाला एवं सरस्वती भवन पुस्तकालय ऐतिहासिक धरोहर है। सरस्वती भवन पुस्तकालय में रखी दुर्लभ पांडुलिपियों को देखकर राज्यमंत्री भावविभोर हो उठे। पुस्तकालय में उन्होंने एक हजार साल पुरानी हस्तलिखित श्रीमद्भागवतगीता तथा देश की प्राचीनतम पांडुलिपियां कमावाचा व स्वर्णाक्षरयुक्त सचित्र रास पंचाध्यायी देखकर सराहना की।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल ने कहा कि पंचांग की वृहद विशेषताएं हैं जो कि इसे अन्य पंचांगों से भिन्न करता है। ज्योतिष विभागाध्यक्ष एवं पंचांग के संपादक प्रो. अमित कुमार शुक्ल ने कहा कि इस पंचांग के द्वारा ही राज्य सरकार द्वारा व्रत पर्वों का निर्धारण किया जाता है। इसे बहुत ही सूक्ष्मता से गणितीय शुद्धता को ध्यान रखते हुये प्रकाशित किया गया है। यह पंचांग दृकसिद्ध पद्धति पर आधारित है। आचार्य महेंद्र पांडेय ने मंगलाचरण किया। इस दौरान प्रो. महेंद्र पांडेय, प्रो. रमेश प्रसाद, प्रो. रामपूजन पांडेय, प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी, प्रो. सुधाकर मिश्र, प्रो. आशुतोष मिश्र, डॉ. मधुसूदन मिश्र, डॉ. राजा पाठक मौजूद रहे।

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचदेव मंदिर में पूजार्चन करते हुए छात्र।

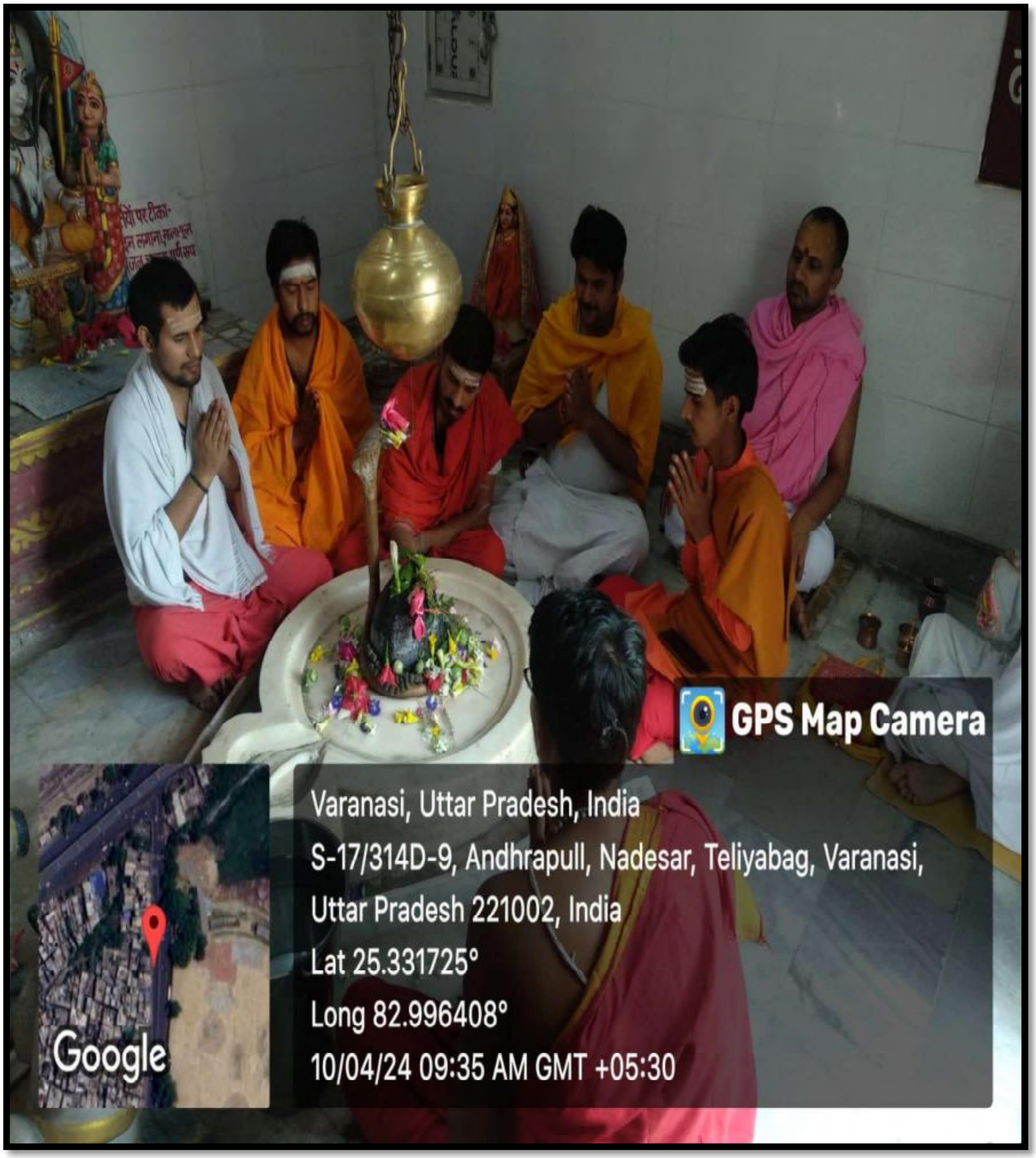

विश्वविद्यालय परिसर स्थित वाग्देवी मंदिर में पूजार्चन करते हुए माननीय कुलपति जी एवं आचार्य तथा छात्र। दिनांक १४.०२.२०२४

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय परिसर स्थित वाग्देवी मंदिर में आरती करते हुए
माननीय कुलपति जी एवं आचार्य तथा छात्र। दिनांक १४.०२.२०२४

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय परिसर स्थित वाग्देवी मंदिर

विश्वविद्यालय परिसर स्थित हनुमन्मंदिर

विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचदेव मंदिर

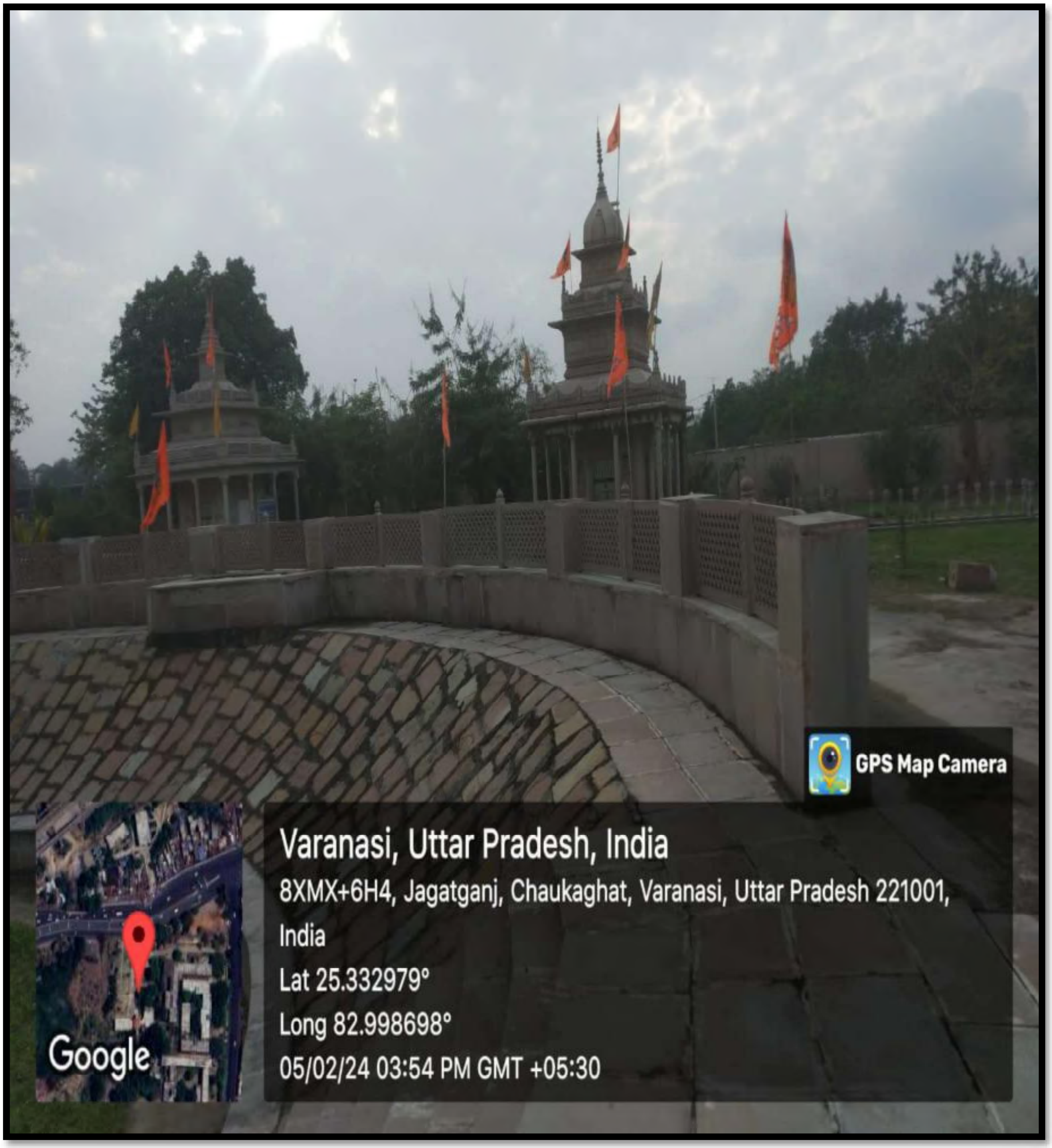

विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचदेव मंदिर

विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचदेव मंदिर। दिनांक ०५.०२.२०२४

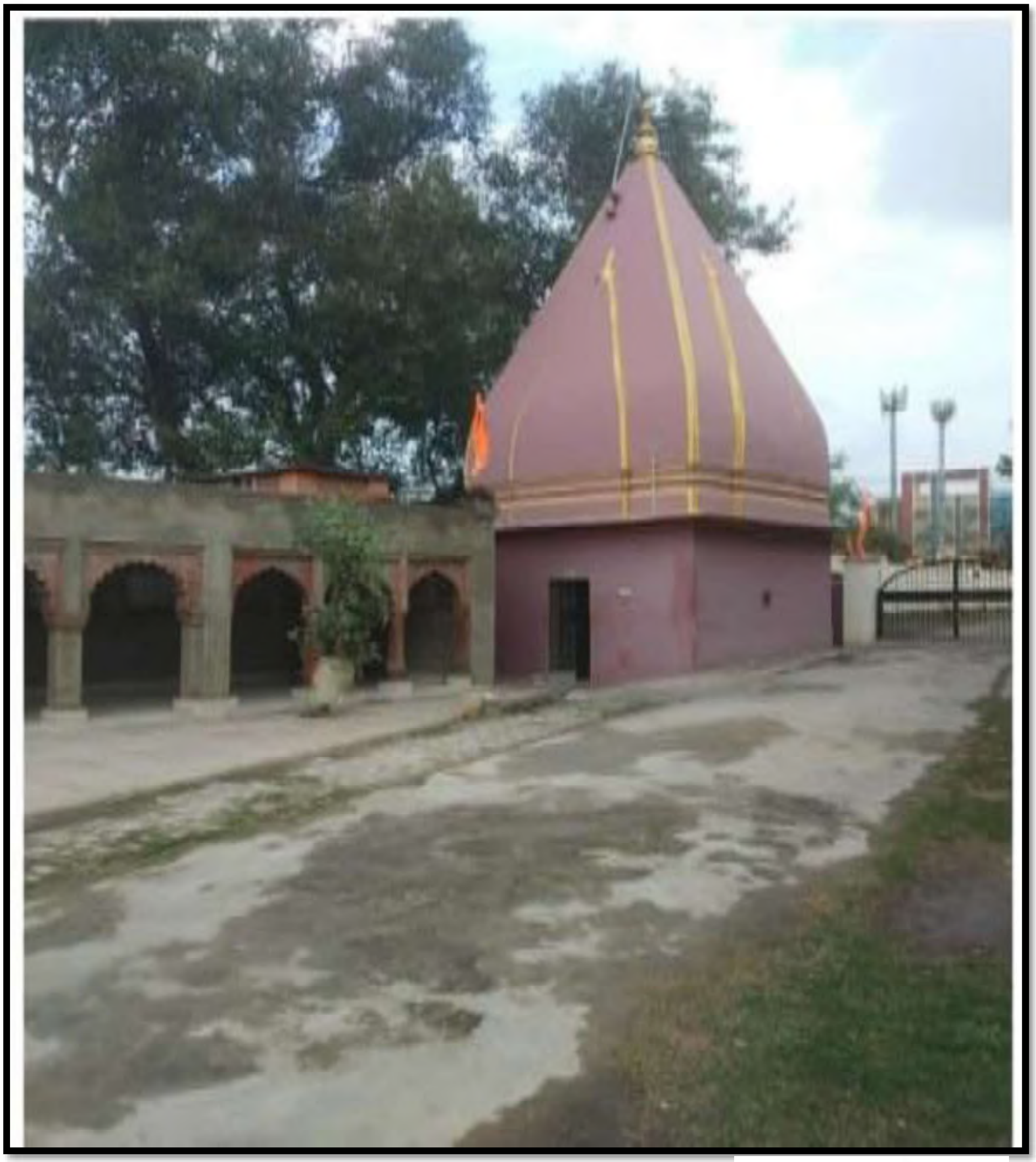

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

नवग्रहवाटिका का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति जी एवं अन्य।
दिनांक १८.०१.२०२१

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय परिसर स्थित नवग्रहवाटिका

विश्वविद्यालय के छात्र द्वारा 'ज्योतिषशास्त्रे वर्णितचर्मरोगाणां वैज्ञानिकमनुशीलनम्' विषय पर किए गये शोधप्रबन्ध का मुख्य पृष्ठ।

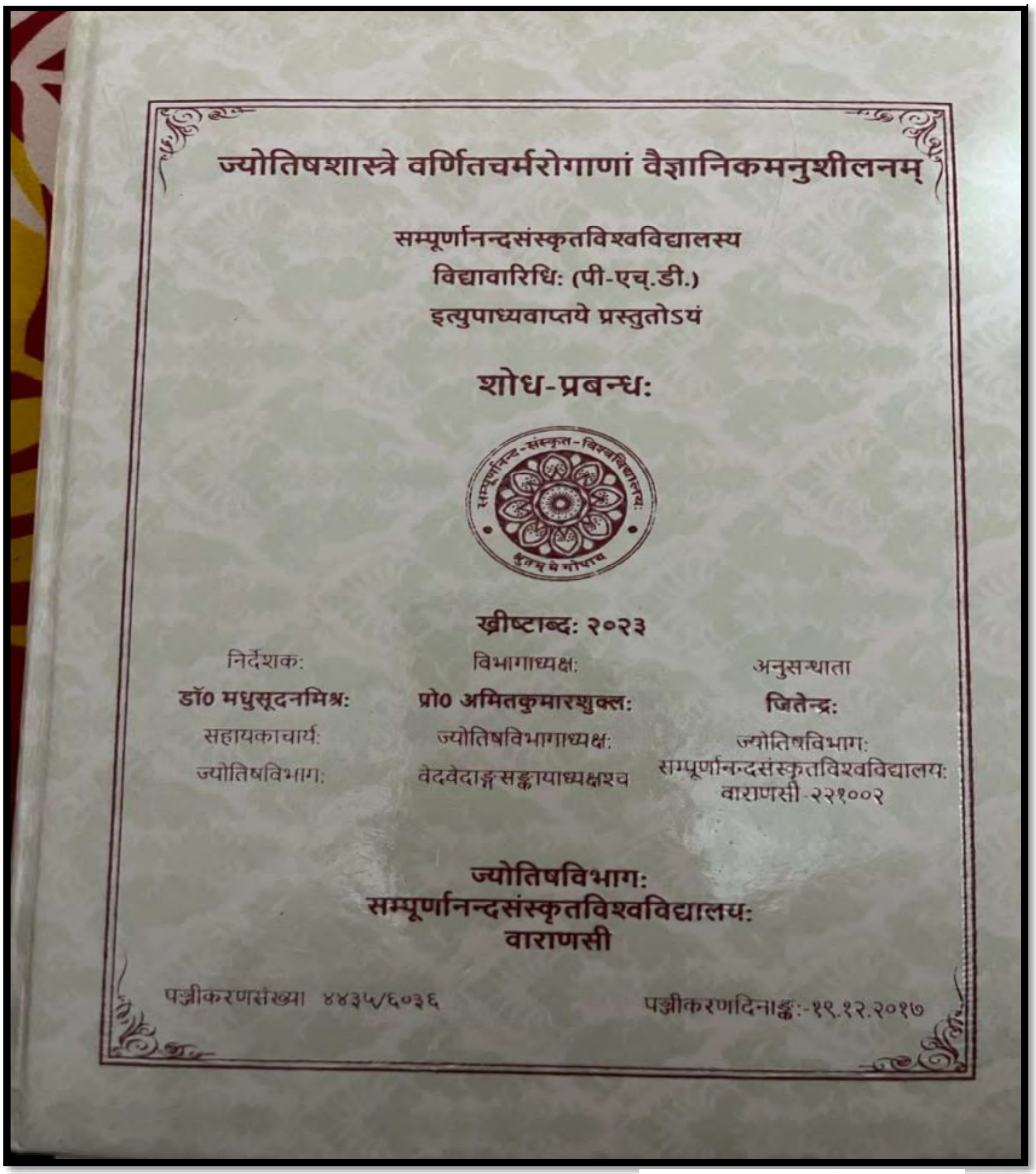

ज्योतिषशास्त्रे वर्णितचर्मरोगाणां वैज्ञानिकमनुशीलनम्

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालस्य
विद्यावारिधि: (पी-एच्.डी.)
इत्युपाध्यवाप्तये प्रस्तुतोऽयं

शोध-प्रबन्ध:

ख्रीष्टाब्द: २०२३

निर्देशक:	विभागाध्यक्ष:	अनुसन्धाता
डॉ० मधुसूदनमिश्र:	प्रो० अमितकुमारशुक्ल:	जितेन्द्र:
सहायकाचार्य:	ज्योतिषविभागाध्यक्ष:	ज्योतिषविभाग:
ज्योतिषविभाग:	वेदवेदाङ्गसङ्कायाध्यक्षश्च	सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय: वाराणसी-२२१००२

ज्योतिषविभाग:
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय:
वाराणसी

पञ्जीकरणसंख्या ४४३५/६०३६ पञ्जीकरणदिनाङ्क:-१९.१२.२०१७

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi